

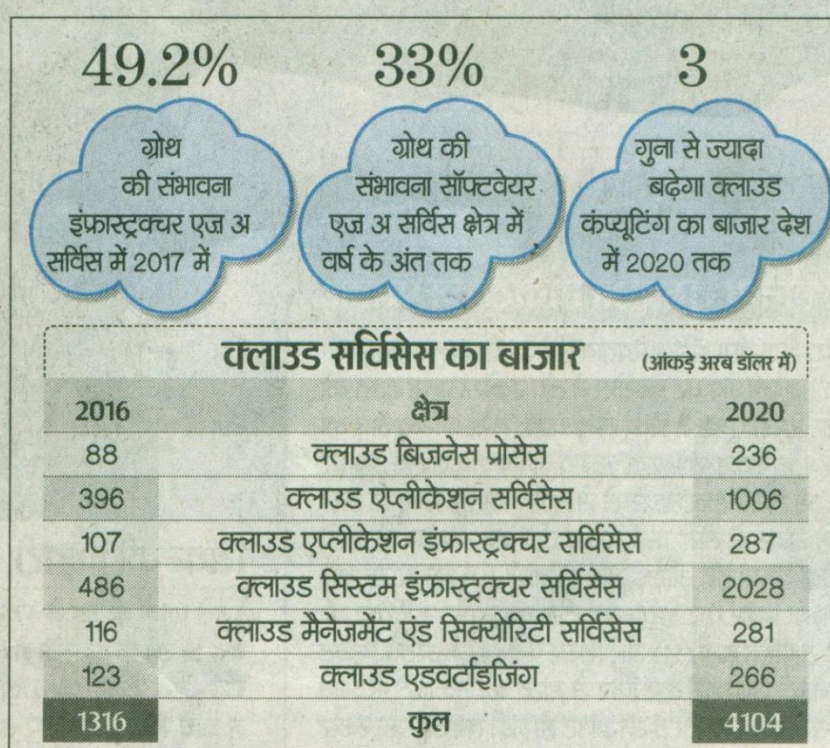
क्लाउड कंप्यूटिंग में हर साल चार लाख नौकरियों के अवसर

कंपनियां ग्राहक को बेहतर सर्विस देने के लिए नई तकनीकों का सहारा लेती हैं। क्लाउड सर्विस इसमें से ही एक है। इसकी मदद से सर्विस तो बेहतर हो ही रही

है कंपनियों की लागत भी कम हुई है। कंप्यूटर साइंस से ग्रेजुएट होने वाले छात्र इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन हासिल कर अच्छे पदों पर जॉब कर सकते हैं।

आईटी सेक्टर में इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में कम नौकरियों की संभावना जताई गई है। लेकिन इससे जुड़ा एक क्षेत्र ऐसा भी है, जो लगातार कंपनियों की जरूरत बनता जा रहा है और इससे संबंधित प्रोफेशनल की मांग बढ़ रही है। ये है क्लाउड कंप्यूटिंग। एक सर्वे के मुताबिक 70 फीसदी कंपनियों का मानना है कि क्लाउड कंप्यूटिंग अब कंपनियों के लिए विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन चुका है और प्रतिस्पर्धा में बने रहना है, तो इसे अपनाना ही होगा। इसी प्रकार एक अन्य सर्वे के अनुसार देश में करीब 79 फीसदी कंपनियां या तो क्लाउड सर्विस का उपयोग शुरू कर रही हैं या शुरू करने की तैयारी में हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग को आसान शब्दों में समझाया जाए तो यह एक तरह से डिलीवरी सर्विस है, जिसमें रिसोर्सेस, सॉफ्टवेयर और सूचनाएं शेयर करते हैं। कंपनियों द्वारा दी जा रही सर्विस को उपयोग के लिए किसी निश्चित स्थान पर मौजूद होने की जरूरत नहीं होती है और इसे कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है।

हाल ही में गार्टनर द्वारा जारी रिपोर्ट में संभावना जताई गई है कि देश का क्लाउड सर्विसेस मार्केट इस वर्ष 38 फीसदी की दर से बढ़कर करीब 1.81 अरब डॉलर का हो जाएगा। साथ ही रिपोर्ट में क्लाउड कंप्यूटिंग से संबंधित विभिन्न सर्विसेस की भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2016 में देश में क्लाउड बिजनेस प्रोसेस सर्विस का बाजार करीब 113 अरब डॉलर था, जो 2020 के अंत तक बढ़कर 236 अरब डॉलर को हो जाएगा। वहीं सबसे ज्यादा ग्रोथ की संभावना क्लाउड एप्लीकेशन सर्विस



और क्लाउड सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस में है। 2016 में क्लाउड एप्लीकेशन सर्विस का बाजार 396 अरब डॉलर का था, जो 2020 तक 1006 अरब डॉलर का हो सकता है। जबकि क्लाउड सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस का बाजार 2016 के अंत तक 486 अरब डॉलर का था, जो 2028 अरब डॉलर का हो जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार 2012 से 2017 के दौरान इसमें 20 लाख नई नौकरियों की संभावना जताई गई थी। यानी कि इसमें हर वर्ष औसतन 4 लाख नौकरियों के अवसर हैं।

क्लाउड कंपनियों में सही इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ इसके बारे में जानकारी रखने वाले प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। इसके लिए प्रोफेशनल को रिसोर्स मैनेजमेंट और मॉनिटरिंग,

डेटा एनालिटिक्स डिवाइस मोबिलिटी, यूजर इंटरफेस, मल्टी आर्किटेक्चर एप्लीकेशन प्लानिंग, वर्चुअलाइजेशन और पैरलल प्रोग्रामिंग जैसी स्किल्स की जरूरत होती है।

कंप्यूटर साइंस से बैचलर डिग्री कर ले सकते हैं प्रवेश

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए कम से कम कंप्यूटर साइंस से बैचलर डिग्री करना आवश्यक है। मैथ्स विषय के साथ साइंस स्ट्रीम से 12वीं करने वाले छात्र कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के बीई या बीटेक कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। बीई या बीटेक कोर्स में प्रवेश के लिए जेईई मेन का वैलिड स्कोर जरूरी है। इसके अलावा छात्र कंप्यूटर साइंस से बीएससी भी कर सकते हैं। क्लाउड

कंप्यूटिंग के क्षेत्र में काम करने के लिए जावा, सी, सी++, पायथन, सी#, जावास्क्रिप्ट, पीएचपी, एसक्यूएल जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की जानकारी जरूरी है। हालांकि बैचलर डिग्री के बाद क्लाउड कंप्यूटिंग से संबंधित शॉर्ट टर्म कोर्स करने से जॉब में वरीयता मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

विभिन्न पदों पर कर सकते हैं जॉब

लगभग सभी क्षेत्र की कंपनियां बेहतर ग्रोथ के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग का सहारा ले रही हैं। इससे इसमें जॉब की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोफेशनल कंपनियों में बतौर क्लाउड आर्किटेक्ट, क्लाउड डेवलपर, क्लाउड कंसल्टेंट, क्लाउड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर और क्लाउड सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा क्लाउड के क्षेत्र में काम करने वाली बड़ी कंपनियों जैसे कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेज़ॉन और आईबीएम में इन प्रोफेशनल के लिए जॉब की बेहतर संभावनाएं हैं।

फ्रेशर को भी औसत से बेहतर पैकेज

क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोफेशनल की मांग ज्यादा होने की वजह से इसमें सैलरी पैकेज भी औसत से बेहतर है। इस क्षेत्र में कैरियर की शुरुआत में ही प्रोफेशनल को औसतन सालाना 3 से 4 लाख रुपए का पैकेज मिलने की संभावना होती है। हालांकि कुछ वर्ष के अनुभव के बाद सैलरी पैकेज 8 लाख रुपए सालाना तक हो सकता है। टॉप एक्जीक्यूटिव स्तर पर पैकेज 16 से 20 लाख रुपए सालाना तक का होता है।